**आदेश ब इजलास प्रकाश राजपुरोहित आई.ए.एस. जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर**
**प्रकरण संख्या 187/2024 (धारा 14 सिक्योरिटाईजेशन एक्ट)**

राजपूताना महिला अरबन कॉ-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, शाखा गायत्री कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर।

**प्रार्थी वित्तीय संस्था**

**बनाम**

1. श्रीमती तीजा देवी पतनी श्री रामलाल मीणा
2. श्री रामलाल मीणा पुत्र श्री नारायण मीणा
3. श्रीमती तीजा देवी पत्नी श्री रामलाल मीणा
4. श्री रामलाल मीणा पुत्र नारायण मीणा
   पता :- प्लाट नम्बर 91, बंसत विहार, ग्राम गोविन्दपुरा रोपाडा, गोनेर रोड, तहसील सांगानेर, जयपुर।
5. श्री हनुमान सहाय शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी नाराण शर्मा
   पता :- 6 एम, ए/88, इन्द्रा गांधी, जगतपुरा, जयपुर।
6. श्री बाबूलाल मीणा पुत्र नारायण मीणा
   पता :- बंसत विहार, ग्राम गोविन्दपुरा रोपाडा, गोनेर रोड, तहसील सांगानेर, जयपुर।

**अप्रार्थीगण**
**ऋणी एवं गारन्टर**

The application under section 14 of The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act,2002

उपस्थितः-

1.श्री अजय कुमार नटवारिया अधिवक्ता प्रार्थी वित्तीय संस्था की ओर से ।

**आदेश** **दिनांक 20.05.2024**

1. संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी वित्तीय संस्था ने **दिनांक 18.02.2017** को अप्रार्थी ऋणी को पुनभुर्गतान हेतु जमानत प्रतिभूति के रूप में अप्रार्थी **श्रीमती तीजा देवी के स्वामित्व की सम्पत्ति प्लाट नम्बर 91, बंसत विहार, गोनेर रोड, ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाडा, तहसील सांगानेर, जयपुर क्षेत्रफल 216.66 वर्गगज** को बन्धक रख कर कुल **राशि 30,00,000/-**रूपये की ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। अप्रार्थी ऋणी द्वारा प्रार्थी वित्तीय संस्था को ऋण भुगतान करने में असफल रहने पर अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थी ऋणी को दिनांक 01.01.2024 को रजिस्टर्ड नोटिस जारी किये गये। नोटिस जारी किये जाने के बावजूद ऋण राशि मय ब्याज भुगतान नहीं करने पर प्रार्थी वित्तीय संस्था ने The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act,2002 की धारा 14 के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपने पास बन्धक सम्पत्ति का भौतिक रूप से कब्जा प्राप्त करने हेतु आवश्यक पुलिस इमदाद उपलब्ध का अनुरोध किया है।

जिला मजिस्ट्रेट
(कलक्टर) जयपुर

Scanned with OKEN Scanner

2. प्रार्थना पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया । प्रार्थी के सुयोग्य अधिवक्ता को गौर से सुना गया । पत्रावली एवं प्रस्तुत दस्तावेजों का भलीभांति अवलोकन किया गया।

3. पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीगणों को 30,00,000/–रूपये का ऋण दिया है, जिसकी प्रतिभूति जमानत के रूप में अप्रार्थीगण ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति बंन्धक के रूप में प्रार्थी वित्तीय संस्था के पास गिरवी रखी है। अप्रार्थीगण का ऋण खाता एन॰पी॰ए॰ घोषित होने से नियमानुसार ऋण वसूली के लिए बकाया ऋण राशि मय ब्याज कुल 22,56,471/–रूपये जमा कराने हेतु अप्रार्थीगण को दिनांक **01.01.2024** को अधिनियम की धारा 13 (2) के अधीन नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा उक्त नोटिस का वित्तीय संस्था को जबाब दिया गया है जिसका प्रार्थी वित्तीय संस्था द्वारा निस्तारण कर दिया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा वित्तीय संस्था को बकाया ऋण राशि का भुगतान भी नहीं किया गया है। प्रकरण में वसूली योग्य बकाया राशि एक लाख रूपये से अधिक होने एवं 20 प्रतिशत से अधिक राशि बकाया होने से अधिनियम के प्रावधानों के तहत वित्तीय संस्था बन्धक रखी गई सम्पत्ति का कब्जा प्राप्त करने का अधिकारी है एवं अधिनियम की धारा 14 के तहत वित्तीय संस्था के पक्ष में बन्धक रखी गई सम्पत्ति का भौतिक कब्जा दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। प्रार्थी वित्तीय संस्था के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा धारा 14 के प्रार्थना पत्र के समर्थन में आवश्यक शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है।

4. अतः The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act,2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों के तहत प्रार्थना पत्र स्वीकार कर प्रार्थी वित्तीय संस्था के पक्ष में **अप्रार्थी श्रीमती तीजा देवी के स्वामित्व की बन्धक सम्पत्ति प्लाट नम्बर 91, बंसत विहार, गोनेर रोड, ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाडा, तहसील सांगानेर, जयपुर क्षेत्रफल 216.66 वर्गगज** का भौतिक रूप से कब्जा प्रार्थी वित्तीय संस्था द्वारा जरिये सम्बन्धित पुलिस थाना प्राप्त किये जाने के आदेश दिये जाते है।

5. आदेश की प्रति संबंधित पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर/पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण को भेज कर लिखा जावे की उक्त सम्पत्ति का कब्जा प्रार्थी वित्तीय संस्था को प्राप्त करने में सहयोग कर वित्तीय संस्था को दिलाने हेतु संबंधित थानाधिकारी को निर्देशित करें एवं पालना रिपोर्ट भिजवाने हेतु पाबन्द करें। आदेश की प्रति हस्ब कायदा जारी हो। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

6. आदेश आज दिनांक **20.05.2024** को सरे इजलास सुनाया गया।

जिला मजिस्ट्रेट (कलेक्टर) जिला जयपुर (राज.)

(प्रकाश राजपुरोहित)
जिला मजिस्ट्रेट
(कलक्टर) जयपुर

Scanned with OKEN Scanner